सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर,गुरुवार , 05 जून, 2025
वर्षः 02, अंकः 157, पृष्ठः 8+4

इनसाइड सड़क ने निगल लिए अयोध्या के तीन लाल » Pg11

18 नंबर की जर्सी का 17 साल का इंतजार खत्म विराट कोहली ने आरसीबी को दिलाया पहला आईपीएल खिताब

» Pg12

गुड न्यूजः लखनऊ से कानपुर के बीच चलेगी रैपिड रेल

» महज 40 मिनट में पूरा होगा 2 घंटे का सफर

» एलडीए ने परियोजना के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र दे दिया है

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। लखनऊ और कानपुर के बीच रैपिड रेल दौड़ाने की तैयारी है। एलडीए ने प्रोजेक्ट के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दे दिया है। नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी) की टीम ने हाल में लखनऊ में प्रोजेक्ट के लिए शासन के अफसरों के साथ बैठक की। जिसमें एलडीए से भी राय ली गई। एलडीए का कहना है कि प्रोजेक्ट का डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनाते समय लखनऊ की महायोजना का पालन किया जाएगा। प्रोजेक्ट के अनुसार अगर समय से काम शुरू होता है तो कानपुर और लखनऊ के बीच यातायात बेहतर हो जाएगा।

अमौसी एयरपोर्ट के पास रैपिड रेल का स्टार्टिंग पॉइंट होगा। आमतौर पर लखनऊ से कानपुर तक जाने में करीब डेढ़ से 2 घंटे लगते हैं, लेकिन रैपिड रेल से यह सफर 40 से 50 मिनट में पूरा हो जाएगा। रैपिड रेल पर कोहरे का कोई असर नहीं होगा। ट्रेन ऐसी टेक्नोलॉजी से लैस होगी जो हर मौसम में चलेगी।

मेरठ की तर्ज पर मिलेंगी सुविधाएं

एनसीआरटीसी मेरठ में भी रैपिड रेल प्रोजेक्ट चला रहा है। दिल्ली से मेरठ तक रैपिड रेल लाइन पर तेजी से काम चल रहा है। मेरठ रैपिड रेल में हाई स्पीड, ऑटोमैटिक डोर, तेज ब्रेकिंग सिस्टम और स्मार्ट टिकटिंग जैसी सुविधाएं हैं। लखनऊ-कानपुर रूट पर भी मेरठ मॉडल की तर्ज पर निर्माण होगा।

2015 में बना था प्लान

रैपिड रेल का प्रस्ताव 2015 में बना था। 2021 अप्रैल में तत्कालीन प्रमुख सचिव दीपक कुमार ने बैठक में रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) बनाने की बात कही थी।

2022 में शासन स्तर पर बैठक हुई तो प्रक्रिया आगे बढ़ी। कोरोना काल में रुका काम अब फिर शुरू हो गया है।

लखनऊ और कानपुर के बीच रैपिड रेल प्रॉजेक्ट को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दे दिया है। रैपिड रेल चलने से लखनऊ से कानपुर तक

का सफर 40 से 50 मिनट में तय हो जाएगा, फिलहाल इसमें डेढ़ से दो घंटे लगते हैं।

लखनऊ और कानपुर की दूरी होगी कम

अमौसी से बनी तक सड़क मार्ग के समानांतर, बनी से उन्नाव के जैतीपुर तक नया मार्ग विकसित करके और फिर कानपुर-लखनऊ रेल ट्रैक के समानांतर अजगैन, उन्नाव, मगरवारा होकर गंगा बैराज तक रैपिड रेल चलाई जाएगी। इससे लखनऊ के विकास को गति मिलेगी। बनी से उन्नाव के जैतीपुर तक वेयर हाउस, जैतीपुर से अजगैन तक उन्नाव जिले में औद्योगिक कॉरिडोर का विकास किया जा सकेगा। वहीं उन्नाव से बैराज तक नियोजित आवासीय विकास आसान होगा।

जन्मदिवस पर योगी का आध्यात्मिक साक्षात्कार

» मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने 53वें जन्मदिन पर गुरुवार को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के चरणों में आत्मार्पण किया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने 53वें जन्मदिन पर गुरुवार को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के चरणों में आत्मार्पण किया। श्रीरामलला के दिव्य मंदिर में उन्होंने विधिवत दर्शन-पूजन कर आरती उतारी और राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा में भाग लिया।

गंगा दशहरा के पुण्य पर्व पर मुख्यमंत्री योगी ने प्रथम तल पर प्रतिष्ठित श्रीराम दरबार में माता सीता, भरत, लक्ष्मण, शत्रुघ्न और हनुमानजी की संगमरमर निर्मित विग्रहों की वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्राण प्रतिष्ठा कराई।हनुमानगढ़ी से शुरू हुई उनकी भक्ति यात्रा ने रामलला

की चौखट पर पूर्णता पाई। इस त्रिदिवसीय आयोजन में शिव, गणेश, सूर्य, अन्नपूर्णा और भगवती सहित अनेक देवालयों में भी प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई।

मुख्यमंत्री की उपस्थिति ने श्रद्धालुओं के उत्साह को द्विगुणित कर दिया। जय श्रीराम के उद्घोषों से गूंजती रामनगरी में आस्था और ऊर्जा का दिव्य संगम देखने को मिला।इस पावन अवसर पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास, महासचिव चंपत राय एवं स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज सहित अनेक संत-महात्मा उपस्थित रहे।

एक साल बेमिसाल.. सांसद रमेश अवस्थी के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा

» सांसद की ओर से मेडिकल कॉलेज में समारोह आयोजित किया गया

» बीजेपी के 51 वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मानित

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। महानगर कानपुर के जनप्रिय सांसद रमेश अवस्थी के कार्यकाल का एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बुधवार को मेडिकल कॉलेज परिसर में वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मान समारोह और प्रीत भोज आयोजित किया गया। इस मौके पर 51 कार्यकर्ताओं - को सम्मानित किया गया।

सांसद ने कहा कि – कार्यकर्ताओं के सहयोग और के कारण मेरा एक वर्ष सेवा भाव से पूर्ण हुआ। विश्वास दिलाता हूं कि कार्यकर्ताओं के मान, सम्मान और स्वाभिमान को कभी भी – कम नहीं होने दूंगा। इस मौके पर सांसद निधि के कई कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण भी किया गया। पूर्व सांसद सत्यदेव पचौरी, पूर्व मंत्री बालचंद्र मिश्र, कौशल किशोर दीक्षित, राधेश्याम पांडे, दिनेश राय, – दीपू पांडे, विनोद शुक्ल, रघुनंदन भदौरिया आदि को सम्मानित किया गया। वरिष्ठ नेता पंकज सिंह, अरुण पाठक, अनिल दीक्षित, मोहित पांडे, सुरेश अवस्थी, रीता शास्त्री, पूनम कपूर मौजूद रही।

मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे, भाजपा नौ से चलाएगी सेवा अभियान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बुधवार को भाजपा ने उत्तर और दक्षिण जिला इकाई की संयुक्त कार्यशाला आयोजित की गई। आयोजन मेडिकल कॉलेज के सभागार में हुआ। इस मौके पर बताया गया कि पार्टी की ओर से नौ से लेकर 21 जून तक सेवा, सुशासन, एवं गरीब कल्याण अभियान चलाया

जाएगा। पार्टी के महानगर प्रभारी पंकज सिंह ने बताया कि पार्टी कार्यकर्ता जनता को सरकार की उपलब्धियां बताएंगे। सांसद रमेश अवस्थी, दक्षिण जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह, उत्तर जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित, महापौर प्रमिला पांडे, विधायक महेश त्रिवेदी, सुरेंद्र मैथानी, नीलिमा कटियार, अरुण पाठक, अनीता गुप्ता, पूनम द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

15 अगस्त को केडीए लॉन्च करेगा 'न्यू कानपुर सिटी' योजना

» कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) की 143वीं बोर्ड बैठक में हुई चर्चा

» कानपुर बनेगा मेगा सिटी, 50,000 करोड़ की मिलेगी राशि

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर सिटी के समग्र और योजनाबद्ध विकास को गति देने के लिए कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) की 143वीं बोर्ड बैठक का आयोजन आज केडीए परिसर स्थित सभागार में किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता आयुक्त/अध्यक्ष, कानपुर मंडल एवं केडीए अध्यक्ष के. विजयेन्द्र पांडियन ने की।

बैठक में सबसे अहम ऐलान करते हुए मंडलायुक्त के. विजयेन्द्र पांडियन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मथुरा, मेरठ और कानपुर को मेगा सिटी योजना में शामिल किया गया है। इसके तहत कानपुर के कायाकल्प के लिए 50 हजार करोड़ रुपये की विशाल धनराशि खर्च की जाएगी। इस राशि से सड़कों का जाल बिछाया जाएगा, शहर की कनेक्टिविटी को बेहतर किया जाएगा, पार्कों का पुनर्विकास होगा और साथ ही नए औद्योगिक व

आईटी हब स्थापित किए जाएंगे बैठक में जिलाधिकारी कानपुर नगर जितेंद्र प्रताप सिंह, केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गबरियाल, नगर आयुक्त सुधीर कुमार, केस्को एमडी, अन्य वरिष्ठ अधिकारी व बोर्ड सदस्य धीरू त्रिपाठी, सौरभ देव सहित अन्य उपस्थित रहे।

न्यू कानपुर सिटी का होगा शुभारंभ

मंडलायुक्त ने बताया कि केडीए को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1,400 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। इसमें से 150 करोड़ रुपये न्यू कानपुर सिटी योजना के लिए भूमि अधिग्रहण पर खर्च किए जा चुके हैं। इस महत्वाकांक्षी योजना का लॉन्च 15 अगस्त 2025 को किया जाएगा। योजना के तहत 1793 प्लॉट तैयार किए गए हैं, जो मुख्य रूप

से मध्यमवर्गीय परिवारों को ध्यान में रखकर विकसित किए गए हैं।

मेगा सिटी योजना के अंतर्गत प्रस्तावित परियोजनाएं

1. 400 करोड़ की लागत से जाजमऊ से गंगा बैराज तक 11.5 किमी लंबा रिवर फ्रंट।
2. 750 करोड़ से नरोना से किदवई नगर तक 5 किमी का एलिवेटेड फोरलेन।
3. 40 करोड़ से मैनावती से बैराज रोड तक 800 मीटर की दो लिंक रोड।
4. 31 करोड़ से भौती से अर्मापुर तक 6 किमी फोरलेन निर्माण।
5. 55 करोड़ की लागत से बिनगवां से अर्रा मार्ग (8 किमी) का चौड़ीकरण।
6. 300 करोड़ से मर्चेंट चेंबर से फूलबाग तक 3 किमी लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर।
7. 105 करोड़ से कानपुर देहात में आगरा व झांसी नेशनल हाईवे को जोड़ने का कार्य।

केडीए के 'अभयदान' से तन गया अवैध फूड कोर्ट

» वीसी मदन सिंह गर्ब्याल के निर्देशों को दरकिनार कर जारी है अवैध निर्माण

» भ्रष्टाचार की जड़ में अफसरों और बिल्डर की लाखों की सांठगांठ

» अवैध निर्माण पर प्रशासन की चुप्पी, रसूखदार की दबंगई भारी

आज की डेट में जारी निर्माण कार्य

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। महानगर के भौंती हाईवे किनारे बन रहा दीपू चौहान फूड कोर्ट कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) के नियमों और शहरी विकास मंत्रालय के दिशा-निर्देशों को पूरी तरह से ताक पर रखकर तैयार हो रहा है। जबकि केडीए के उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्याल स्वयं मीटिंगों में बार-बार अवैध निर्माणों पर रोक लगाने के निर्देश दे चुके हैं, लेकिन उनका आदेश नीचे तक पहुंचते-पहुंचते या तो कमजोर पड़ जाता है या जानबूझकर अनदेखा कर दिया जाता है। निर्माणकर्ता पहले ही जिला पंचायत का नक्शा दिखाकर न्यायालय गया था, लेकिन कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि शहरी सीमा के अंतर्गत ऐसे नक्शों की कोई वैधता नहीं है।

इसके बावजूद निर्माण कार्य दिन-रात जारी है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार रात के अंधेरे में भी निर्माण सामग्री लाई जा रही है और श्रमिकों को छुपाकर काम पर लगाया जाता है। इससे यह साफ होता है कि निर्माणकर्ता न केवल अधिकारियों की आंखों में धूल झोंक रहा है बल्कि कानून व्यवस्था को खुलेआम चुनौती भी दे रहा है। हाईटेंशन तारों के ठीक नीचे बन रही इस विशाल इमारत से भविष्य में किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन केडीए और जिला प्रशासन इस सब पर चुप्पी साधे बैठा है।

लाखों की डील ने बदल दिया सिस्टम का चेहरा

विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, दीपू चौहान फूड कोर्ट से जुड़े इस पूरे निर्माण कार्य में केडीए के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों और एक प्रभावशाली इंजीनियर के बीच लाखों रुपये की अवैध डील हुई है। यही वजह है कि पहले जहां इस निर्माण पर रोक लगाने के लिए स्थानीय पुलिस को पत्र लिखा गया था, वहीं अब सब कुछ शांत है और निर्माण कार्य खुलेआम चल रहा है। अधिकारियों की इस चुप्पी ने पूरे सिस्टम की साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं और यह स्पष्ट हो गया है कि भ्रष्टाचार किस हद तक केडीए में जड़ें जमा चुका है।

स्थानीय लोगों का यह भी दावा है कि जिस जमीन पर यह फूड कोर्ट बनाया जा रहा है, वह एक सरदार जी के स्वामित्व वाली भूमि थी, जिस पर पुराने टायरों का भंडारण होता था। नक्शे में जितनी जमीन दिखाई गई है, उससे अधिक पर कब्जा कर निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा जमीन के स्वामित्व से संबंधित दस्तावेजों में भी भारी गड़बड़ी की आशंका जताई जा रही है। कपाउंडिंग कराने से बचने का कारण भी यही है कि यदि ऐसा किया गया तो जमीन का असली चेहरा उजागर हो जाएगा और निर्माणकर्ता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई तय हो जाएगी। इस पूरे मामले की फाइल अब शासन तक पहुंच चुकी है और उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही भ्रष्ट अफसरों और भू-माफिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर सिटी कानपुर, बुधवार 04 मई 2025 07

अवैध निर्माणों की लंबी फेहरिस्त
मालामाल प्रवर्तन दस्ता

» जोन-2 के लाजपतनगर, कौशलपुरी, काकादेव, पनकी और कल्याणपुर सहित कई हिस्सों में दनादन अवैध निर्माण

» शहर भर में अवैध प्लाटिंग रोकने के नाम पर हो रही उगाही

» प्रवर्तन कर्मी दिनरात निर्माणकर्ताओं से सिर्फ सेंटिंग करने में जूझते दिखते

काकादेव क्षेत्र में केडीए द्वारा सील परिसर में निर्माण की वायरल फोटो

खास खबर

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। अवैध निर्माणों को लेकर राज्य सरकार से लेकर हाईकोर्ट तक सख्त है। इसके बाद भी उनके नियंत्रण के लिए प्रभावी उपाय नहीं किए जा रहे हैं। कानपुर विकास प्राधिकरण में अवैध निर्माण और प्लाटिंग रोकने के लिए दस्ता गठित लेकिन दस्ता में शामिल अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक वसूली, उगाहीकर अपनी जेबें भरने में जुटे है। अवैध निर्माण रोकने का दिखावा किया जा रहा है।

बीते दिनों कानपुर के चमनगंज इलाके में बहुमंजिली अवैध इमारत में आग लगने से पांच लोगों की जलकर मौत हो गई थी, यहां पर बिना नक्शे के बेसमेंट सहित कई मंजिल की इमारत खडी कर दी गई थी। केडीए और अन्य विभागों की मिलीभगत से शहर में ऐसी सैकडों इमारतें मौत के कुएं की तरह खडी कर दी गई हैं। जिनमें हर समय हादसे का खतरा मंडरा रहा है। विभाग अनजान बने बैठे हैं। मंगलवार को नगर निगम में आयोजित सदन बैठक में मेयर प्रमिला पांडेय ने ऐसी इमारतों के निर्माण और उनमें चल रहे कारखानों, उद्योगों को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा कि पार्षदगण अपने अपने इलाकों में ऐसी इमारतों में ध्यान दें। वहीं, शहर के आउटर इलाकों की कृषि जमीनों पर बिना लेआउट के दनादन प्लॉटिंग कर अवैध सोसायटियां बसाई जा रही हैं, जिनमें सीवर, पानी और स्वस्थ्य वातावरण का कोई इंतजाम नहीं है। ऐसे में ऐसी सोसायटियां आगे चल कर स्मार्ट सिटी में दाग साबित होती हैं और जनता परेशान होती है।

सील बिल्डिंग में निर्माण की फोटो वायरल

जोन-2 स्थित काकादेव में परिसर संख्या 117-एम-37 में आवासीय नक्शे में अवैध निर्माण की शिकायत की गई थी। इसपर केडीए ने परिसर सील कर दिया था। मंगलवार को परिसर की फोटो वायरल हुई जिसमें सील इमारत में काम चलता दिखा। इसी तरह से पनकी मंदिर रोड पर बीएमसी हॉस्पिटल का परिसर पांच माह पूर्व सील किया गया था लेकिन उसमें धडल्ले से कार्य करवाया जा रहा है। कल्याणपुर में भी एक सील परिसर में निर्माण कार्य मीडियाकर्मियों ने पकडा था। बताया जा रहा है कि केडीए द्वारा सील की गई अधिकतर इमारतों में कार्य चल रहा है। जिम्मेदार अधिकारी और कर्मी हर माह मोटी रकम अंदर कर रहे हैं।

-शहर में अवैध निर्माणों और प्लाटिंग पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। किसी प्रकार की कोई उगाही केडीएकर्मी य अन्य कोई करता है तो उसकी शिकायत करें, सतत निगरानी के साथ एक्शन लिया जाएगा।

मदन सिंह गर्व्याल, उपाध्यक्ष केडीए

खेतों में इस तरह से बेचें जा रहे प्लॉट

का०वि०प्रा०

> अवैध निर्माण रोकने के लिए जोनल अधिकारी को निर्देशित किया गया है, फूड कोर्ट संचालक ने कोर्ट में दोबारा प्रत्यावेदन दिया है, इसको देखा जा रहा है। डीसीपी को पत्र भेजा जा रहा है और रोक के बाद भी निर्माण न रोकने पर करने अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी।
>
> **अभय पाण्डेय, सचिव केडीए**

तथाकथित पत्रकार की गुंडागर्दी: दुकानदार से मांगी 10 हजार की रंगदारी

» पहले से दर्ज हैं गंभीर आपराधिक मुकदमे, पत्रकार की आड़ में इलाके में फैला रखा है खौफ

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। तथाकथित पत्रकार के रूप में पहचान बनाए घूम रहे गुंजन सिंह का असली चेहरा सामने आ गया है। महाराजपुर थाना क्षेत्र में एक दुकानदार से जबरन वसूली करने की घटना ने यह साफ कर दिया है कि यह युवक पत्रकारिता की आड़ में आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। सरसौल निवासी दुकानदार गोलू सविता ने आरोप लगाया है कि गुंजन सिंह ने पहले उनकी दुकान पर पहुंचकर खुद को पत्रकार बताते हुए चोरी का माल बेचने का झूठा आरोप लगाया और फिर धमकी दी कि अगर 10 हजार रुपये नहीं दिए तो पुलिस में शिकायत कर देगा।

घटना रविवार की है, जब गुंजन दुकान पर आया और दबाव बनाकर पैसे मांगने लगा। दुकानदार द्वारा विरोध करने पर वह मंगलवार को दोबारा दुकान पहुंचा और रंगदारी की कोशिश की। लेकिन जब आस-पास के दुकानदार इकट्ठा हुए तो वह गालियां देकर मौके से फरार हो गया।दुकानदार की शिकायत पर 4 जून को महाराजपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। चकेरी के एसीपी सुमित सुधाकर रामटेके ने पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी गुंजन सिंह के खिलाफ पहले से तीन

आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें एससी/एसटी एक्ट के तहत गंभीर धाराएं भी शामिल हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपी की कुंडली खंगाली जा रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि गुंजन सिंह पिछले कई महीनों से खुद को पत्रकार बताकर दुकानदारों, ठेलेवालों और छोटे व्यापारियों पर दबाव बनाता रहा है। वह वीडियो बनाने और एक्सपोज करने की धमकी देकर रंगदारी वसूलने की कोशिश करता है। कई बार वह सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस जैसा व्यवहार करते हुए लोगों को अपमानित करता है, जिससे इलाके में भय का माहौल बना हुआ है।

स्वराज इंडिया प्रशासन से मांग करता है कि ऐसे पत्रकारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि पत्रकारिता की साख को बदनाम करने वाले और जनता को डरा-धमका कर वसूली करने वाले अपराधियों पर नकेल कसी जा सके।

शौचालय में ताला, फंड में घोटाला!

» विकास की दिखावटी तस्वीर, हकीकत में ताले का सच

ग्राम पंचायत सुरार में विकास के नाम पर छलावा, ताले में बंद जनसुविधा

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत सुरार में स्थित सामुदायिक शौचालय भ्रष्टाचार की जीवंत मिसाल बन चुका है। टिकरा-मौती मार्ग पर मौजूद यह शौचालय महीनों से बंद पड़ा है, और हमेशा ताले में जकड़ा नजर आता है। राहगीरों और खासकर महिलाओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, लेकिन जिम्मेदार आंख मूंदे बैठे हैं।

करोड़ों रुपये स्वच्छ भारत मिशन के तहत फूंके जा रहे हैं, मगर न तो संचालन की कोई व्यवस्था की गई है, और न ही साफ-सफाई के लिए किसी कर्मी की नियुक्ति हुई है। ग्रामीणों ने पंचायत और प्रशासन से कई बार शिकायत की, मगर नतीजा शून्य निकला।

प्रधान-सचिव की मनमानी, जनता की बेकसी

ग्राम प्रधान पंकज यादव और सचिव महेंद्र गौतम इस अव्यवस्था से भलीभांति परिचित हैं, बावजूद इसके शौचालय को चालू कराने की कोई कोशिश नहीं हुई। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि फंड कागजों में खर्च दिखाया गया, मगर धरातल पर सुविधा कभी मुहैया नहीं कराई गई। कई बार शौचालय रखरखाव के नाम पर बजट आने की बात कहकर लीपापोती की गई, लेकिन हकीकत में कुछ नहीं बदला। अब महिलाओं के आत्मसम्मान और सुरक्षा को खतरे में डालने वाली इस लापरवाही के खिलाफ गांव में आक्रोश है। महिला समूहों ने आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है, जबकि ग्रामीणों ने चेताया है कि यदि शीघ्र शौचालय नहीं खोला गया, तो ब्लॉक और जिला मुख्यालय पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। अधिकारियों तक मामला पहुंच चुका है, पर कार्यवाही अब भी अधर में लटकी है।

उमरी गांव की गंदगी बनी बीमारी की जड़, प्रशासन बेखबर

» चौबेपुर ब्लॉक की नाडुपुर ग्राम पंचायत में नालियों का बुरा हाल,

» सफाई व्यवस्था की बदहाली में ग्राम प्रधान और सचिव की भूमिका संदिग्ध

शिवांक अग्निहोत्री स्वराज

कानपुर (चौबेपुर)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार स्वच्छ भारत अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन चौबेपुर ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत नाडुपुर के मजरे उमरी गांव में जमीनी हकीकत बेहद चिंताजनक है। गांव की नालियों में गंदगी और कूड़े का इतना जमाव है कि न केवल बदबू से मुश्किल हो गया है, बल्कि संक्रमण फैलने का भी खतरा तेजी से बढ़ रहा है। चारों तरफ बजबजाती नालियां, गलियों में बहता गंदा पानी और जमे हुए कूड़े के ढेर यह साबित कर रहे हैं कि यहां सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है।

ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान उमेश कुशवाहा और ग्राम सचिव नेहा शुक्ला को बार-बार अवगत कराने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। सफाईकर्मी लंबे समय से ड्यूटी पर नहीं आ रहे हैं और इन जिम्मेदार पदाधिकारियों ने इसे लेकर कोई निगरानी या पहल नहीं की। महीने-दो महीने में केवल औपचारिकता निभाने के लिए झाड़ू लगवा दी जाती है,

जबकि नालियों की सफाई बीते कई महीनों से नहीं हुई है। बच्चों और बुजुर्गों में त्वचा रोग, डायरिया और मच्छरों से जुड़ी बीमारियां फैलने लगी हैं, लेकिन ग्राम स्तर पर कोई प्रभावी जवाबदेही नहीं दिख रही है।

जनप्रतिनिधियों की अनदेखी से बढ़ा ग्रामीणों का आक्रोश

गांव के कई ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने कई बार ग्राम प्रधान उमेश कुशवाहा और सचिव नेहा शुक्ला से मिलकर सफाई की मांग की, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिले। न तो गांव का निरीक्षण किया गया और न ही किसी स्थायी सफाई योजना को अमल में लाया गया। ग्रामीणों का आक्रोश अब इस हद तक बढ़ चुका है कि वे चेतावनी दे रहे हैं— अगर 2-3 दिन के भीतर सफाई शुरू नहीं हुई, तो चौबेपुर ब्लॉक का घेराव किया जाएगा और शांतिपूर्ण आंदोलन छेड़ा जाएगा।

वहीं स्वास्थ्य विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। उमरी गांव में न तो नियमित फॉगिंग होती है, न ही किसी तरह की एंटी लार्वा दवा का छिड़काव किया गया है। बीमारियां धीरे-धीरे पांव पसार रही हैं और अगर जल्द सुधार नहीं हुआ तो यह लापरवाही किसी बड़ी महामारी का कारण बन सकती है।

दैनिक स्वराज इंडिया की टीम ने जब मौके पर स्थिति का जायजा लिया तो पाया कि गलियों में बदबूदार पानी जमा है, बच्चों को नंगे पांव इन रास्तों से गुजरना पड़ता है और पशुओं के लिए भी कोई साफ-सुथरी जगह नहीं बची है। यह हालात योगी सरकार की छवि पर भी प्रश्नचिह्न लगा रहे हैं, खासकर तब जब स्वच्छता पर लगातार ज़ोर दिया जा रहा है। स्वराज इंडिया प्रशासन से मांग करता है कि ग्राम प्रधान और सचिव की जिम्मेदारी तय कर जल्द से जल्द उमरी गांव की सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाया जाए, ताकि गांव को रोगमुक्त और स्वच्छ बनाया जा सके।

सम्पादकीय

सफल आईपीएल की चमक दुखांत से फीकी

तुरत–फुरत क्रिकेट वाले दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली को टीम ने खास तोहफा ही दिया। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक तब फीकी पड़ गई जब चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में ग्यारह लोगों की दुखद मुत्यु हो गई। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। इस जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास दो लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मीडिया को जानकारी दी कि घटना में ग्यारह लोगों की मौत हुई है और 33 लोग घायल हो गए हैं। बहरहाल, आईपीएल का आयोजन व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंततः विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए। कोहली, पिछले टी–20 विश्व कप और कुछ महीने पहले वनडे चैंपियंस ट्राफी जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। वे प्रारंभ से ही आईपीएल का खिताब जीतने के लिये दृढ़ संकल्पित दिखे। इसका समापन भी उन्होंने खास अंदाज में किया। क्रिकेट प्रेमियों ने बखूबी देखा कि उनके खेल में वह चमक बरकरार है जो डेढ़ दशक पहले क्रिकेट मैदान में उतरने पर खेल प्रेमियों को चकित किया करती थी।

एक तरह से आईपीएल क्रिकेट से कोहली की यह शानदार विदाई साबित हुई। ?वे इस गरिमामय विदाई के हकदार भी थे। हालांकि, वे क्रिकेट के टेस्ट क्रिकेट छोड़कर अन्य प्रारूपों में अपना शानदार खेल दिखाते रहेंगे। वहीं दूसरी ओर एमएस धोनी को आईपीएल में पांच बार की कामयाबी के बावजूद इस बार खिताबी जीत न दिला पाने का मलाल जरूर रहेगा। यह हकीकत है कि चेन्नई सुपर किंग्स की टीम धोनी के अनुभव का लाभ उठाने से चूक गई। वैसे इस बार के आईपीएल टूर्नामेंट में श्रेयस अय्यर ने शानदार प्रदर्शन के जरिये किसी भी फ्रेंचाइजी के लिये जाने–माने कप्तान के रूप में अपनी स्थिति मजबूत ही की है। बीते साल कोलकाता नाइट राइडर्स को जीत दिलाने के बाद उन्होंने पंजाब किंग्स का नेतृत्व संभाला। उनके नेतृत्व में पंजाब किंग्स ने पिछले एक दशक के बाद प्रभावशाली प्रदर्शन के जरिये फाइनल में जगह मजबूत की। वह बात अलग है कि फाइनल में श्रेयस की प्रतिभा को श्रेय न मिल सका। हालांकि, बाकी मैचों में उन्होंने टीम को प्रभावशाली नेतृत्व जरूर दिया। भारत के नये टेस्ट क्रिकेट कप्तान शुभमन गिल ने टूर्नामेंट के अंत में लड़खड़ाने से पहले गुजरात टाइटन्स का अच्छा नेतृत्व दिया। हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस को तब तक मुकाबले में बनाए रखा ।

अतार्किक हस्तक्षेप से सिमटती शैक्षणिक आजादी

अविजीत पाठक

किसी भी समाज में अकादमिक-बौद्धिक क्षेत्र में स्वतंत्र विचार अभिव्यक्ति व असहमति के स्वर पर अंकुश की कोशिशें चिंताजनक ही कही जाएंगी। यह स्वस्थ समाज का संकेत नहीं। जिस तरह एक प्रोफेसर को 'ऑपरेशन सिंदूर' के संदर्भ में अपनी कुछ महीन और गूढ़ अर्थ वाली टिप्पणियों के चलते राष्ट्रवाद, युद्ध, लैंगिकता और राजनीति के विषैले घालमेल से गुजरना पड़ा, उस पर विचार कर चिंताएं और गहरी हो जाती हैं।इन दिनों जब भी मैं अपने अकादमिक जीवन पर नज़र दौड़ाता हूं, तो मुझे लगता है कि मैं बेहद भाग्यशाली रहा। तीन दशकों से अधिक समय तक मैंने पढ़ाया, व्याख्यान दिए, सेमिनारों में वक्ता रहा और संस्कृति, राजनीति, समाज एवं शिक्षा पर लिखा। किसी की 'भावनाओं' को चोट नहीं पहुंचाई; इस बीच मुझ पर कोई एफआईआर दायर नहीं हुई; और इन सबसे ऊपर, न्यायपालिका में से किसी ने भी मुझे सामग्री अथवा लेखन शैली को लेकर कोई चेतावनी नहीं दी।

बेशक, हर कोई मेरे वैश्विक नज़रिए से सहमत नहीं था। तीव्र मतभेद, तर्क और तर्क–वितर्क होते रहे। फिर भी, दिन ढले विश्वविद्यालय के कैफेटेरिया में वामपंथियों, दक्षिणपंथियों, राष्ट्रवादियों, उत्तर आधुनिकतावादियों, अंबेडकरवादियों और नारीवादियों के साथ सहजता से बैठकर संवाद करता रहा, हंसी–ठिठोली, चुटकुलेबाजी और लेखन एवं किताबों पर विचार साझा करता रहा। सही मायने में, मैंने अपनी स्वतंत्रता का भरपूर आनंद लिया क्योंकि अपने विरोधियों के विचारों की स्वतंत्रता का भी हामी हूं।हालांकि, इस बदलते समय में, जैसा कि अब मैं कुछ पहलुओं को देखता हूं, मसलन, अली खान महमूदाबाद–अशोका विश्वविद्यालय के इस एक युवा प्रोफेसर को 'ऑपरेशन सिंदूर' के संदर्भ में अपनी कुछ महीन और गूढ़ अर्थ वाली टिप्पणियों की एवज में जिस तरह राष्ट्रवाद, युद्ध, लैंगिकता और राजनीति के विषैले घालमेल से गुजरना पड़ा,उससे मेरी कंपकंपी छूटने लगती हैज्जी हां, इस युवा प्रोफेसर को गिरफ्तार किया गया; और जब उन्हें जमानत दी गई, तब भी माननीय सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश यह याद दिलाना नहीं भूले कि उन्हें इस तरह के संवेदनशील मुद्दों पर टिप्पणी करते वक्त सतर्क रहना चाहिए था। क्या यह करके हम तेजी से विषाक्त माहौल का सामान्यीकरण नहीं कर रहे, जिसमें वैचारिक मतभेदों पर संदेह किया जाए, असंतुष्ट आवाज़ों का अपराधीकरण किया जाए, और शैक्षणिक स्वतंत्रता के विचार को हतोत्साहित किया जाए?

क्या यह उस युग की शुरुआत है कि हमारे शिक्षकों, प्रोफेसरों और सार्वजनिक बुद्धिजीवियों को कक्षा में आने से पहले इस पर कानूनी सलाह या मार्गदर्शन लेने की आवश्यकता पड़े कि क्या बोलना या लिखना है?हमें हमारे अकादमिक/बौद्धिक स्थान को घेरते जा रहे सर्व–व्यापक भय पर दो कारणों से चिंता करने की जरूरत है। पहला, यह एक बीमार समाज बनने को इंगित करता है – एक ऐसा समाज जो अपनी भौतिक समृद्धि के बावजूद, हंसी–मजाक, मखौल का मजा लेना, मीमांसीय बहुलवाद की स्वीकार्यता, वाद–विवाद, तार्किक बहसों और मतभेदों की अनिवार्यता को स्वीकार करने की क्षमता खोना शुरू कर दे। वास्तव में, एक बीमार समाज वह होता है जो तमाम असहमति की आवाज़ों को नापसंद करता है ऱ आवाजें जो यथास्थिति से असहज हों,और इस तरह वह राजनीतिक/बौद्धिक स्वतंत्रता और स्वतंत्रतावादी शिक्षा से प्राप्त मुक्तिदायिनी शक्ति से छुटकारा पाना चाहता है। जब हम मानने लगें कि विकास और प्रगति के लिए आर्थिक उत्पादकता, सैन्य शक्ति और तकनीकी नवाचार के आंकड़ों से परे कुछ नहीं है। जबकि हमारे मूल्य, सामूहिक आकांक्षाएं और जीवित रहने के तरीके रचनात्मक रूप से महीन एवं गहन सोच, नूतन विचार और बौद्धिक स्वतंत्रता के कारण एक क्रांतिकारी परिवर्तन से गुजरकर क्रमिक विकास करते हैं। मसलन, मार्क्सवाद में निहित एकदम अभिनव और क्रांतिकारी विचार, मनोविश्लेषण, लैंगिक अध्ययन और आलोचनात्मक विचारों से हमने एक नई किस्म की संवेदनशीलता पाई है, जिसने हमें दमनकारी, वर्चस्ववादी, शोषणकारी, पितृसत्तात्मक अधीनता और युद्ध की मानसिकता वाली विचारधाराओं से सवाल करने के काबिल बनाया।, और जो आर्थिक समानता, सामाजिक न्याय और एक लोकतांत्रिक समतावादी एवं समाजवादी शांतिपूर्ण विश्व का सृजन करने का प्रयास करती है। हालांकि, अगर हम तमाम क्रांतिकारी/असहमति की आवाज़ों पर संदेह करने लगें ।

प्रकृति के संरक्षण की भावनात्मक मुहिम

पर्यावरण दिवस

दीपक कुमार शर्मा

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान पर्यावरण संरक्षण को मां के प्रति श्रद्धा से जोड़ता है, जिससे यह केवल वृक्षारोपण नहीं, बल्कि जनभागीदारी और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक बन गया है।विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि पर्यावरणीय जिम्मेदारी की याद दिलाने वाला प्रतीक है। पृथ्वी केवल रहने का स्थान नहीं, बल्कि जीवन का स्रोत है - ठीक वैसे ही जैसे मां होती है। इसी विचार को जीवंत करती है एक प्रेरक पहल- 'एक पेड़ मां के नाम'। यह अभियान केवल पौधारोपण की सरकारी योजना नहीं, बल्कि यह भारतीय समाज की संस्कृति, भावनाओं और प्रकृति के साथ रिश्ते की पुनर्परिभाषा है। पर्यावरण दिवस 2024 पर इस मुहिम की शुरुआत एक नई राष्ट्रीय जागरूकता का आरंभ थी।

आज जलवायु परिवर्तन, जंगलों की कटाई, बढ़ता प्रदूषण और जल संकट देश के भविष्य पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रहे हैं। वर्ष 2021 की भारत राज्य वन रिपोर्ट के अनुसार देश का केवल 21.71 प्रतिशत भू–भाग वनाच्छादित है, जबकि राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार यह आंकड़ा कम से कम 33 प्रतिशत होना चाहिए। वर्ष 2001 से 2020 के बीच भारत ने 34 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र खोया, जिससे पारिस्थितिकी असंतुलन और भूजल संकट बढ़ा। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, 600 से अधिक जिलों में भूजल स्तर खतरनाक रूप से गिर चुका है। ऐसे गंभीर संदर्भ में 'एक पेड़ मां के नाम' जैसी पहल जीवनदायी सिद्ध होती है।

प्रधानमंत्री द्वारा फरवरी, 2024 में गुजरात के द्वारका से प्रारंभ किया गया यह अभियान मात्र वृक्ष लगाने की अपील नहीं था, बल्कि यह एक आह्वान था कि मां, जो जीवन का आधार होती है, उसके नाम पर एक पौधा लगाया जाए। यह विचार जनता के हृदय से जुड़ गया और मां के प्रति भावनात्मक आस्था का प्रतिबिंब बना। मात्र पांच महीनों में करोड़ों पौधे लगाए जाने इसका प्रमाण है। इस अभियान में सबसे अधिक प्रेरणादायी रही लोगों की भागीदारी, जिसमें महिला स्वयं सहायता समूहों से लेकर स्कूली बच्चों तक सभी ने सक्रिय सहयोग दिया।अमृत 2.0 मिशन के अंतर्गत 'महिलाएं पेड़ों के लिए' कार्यक्रम की शुरुआत की गई, जिसमें महिला स्वयं सहायता समूहों को पौधारोपण की योजना, कार्यान्वयन और देखरेख की जिम्मेदारी दी गई। इस कदम से महिलाओं को निर्णय लेने की भूमिका मिली और ग्रामीण क्षेत्रों में एक नई नेतृत्व क्षमता का विकास हुआ। वृक्षों की सुरक्षा, उनके जीवित रहने की दर और पारिस्थितिकीय लाभ की दृष्टि से यह समावेशी मॉडल अधिक प्रभावशाली सिद्ध हो रहा है।'एक पेड़ मां के नाम' का सबसे बड़ा योगदान यह है कि इसने पर्यावरण संरक्षण को केवल एक योजना नहीं, बल्कि एक भावनात्मक अभियान बना दिया है। जब कोई व्यक्ति अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाता है, तो वह उस पौधे को केवल एक पर्यावरणीय तत्व नहीं, बल्कि एक स्मृति, एक कर्तव्य मानकर सींचता है। यह वही भाव है जो भारतीय संस्कृति में वृक्षों को पूजनीय बनाता है।

विश्व स्तर पर देखें तो चीन और इथियोपिया जैसे देशों ने पौधारोपण के क्षेत्र में उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। चीन ने 2000 से 2020 के बीच 3.5 करोड़ हेक्टेयर नया वन क्षेत्र विकसित किया, वहीं इथियोपिया ने 2019 में मात्र 12 घंटे में 35 करोड़ पौधे लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया। भारत के लिए यह एक प्रेरणा हो सकती है, लेकिन 'एक पेड़ मां के नाम' के पीछे की भावना इन देशों से भिन्न है – यह आत्मा के स्तर पर जनचेतना को जगाने का प्रयास है।

भारत में यदि प्रत्येक नागरिक एक पौधा लगाकर उसका पालन करे तो देश में 140 करोड़ से अधिक वृक्षों की हरियाली विकसित की जा सकती है। यह विचार केवल गणितीय नहीं, व्यावहारिक भी है।

18 नंबर की जर्सी का 17 साल का इंतजार खत्म

विराट कोहली

ने आरसीबी को दिलाया पहला आईपीएल खिताब

आखिरकार 17 वर्षों की लंबी प्रतीक्षा और लाखों प्रशंसकों की दुआओं के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु ने इंडियन प्रीमियर लीग का पहला खिताब जीत लिया। इस ऐतिहासिक जीत के केंद्र में थे विराट कोहली। इस ऐतिहासिक जीत में विराट कोहली की पारी ने भले ही रन बोर्ड पर ज्यादा रन (43) न जोड़े हों, लेकिन टीम को प्रेरणा देने और गेंदबाजों के संयोजन में उनकी रणनीति निर्णायक रही।यह जीत केवल आरसीबी की नहीं, बल्कि विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण की प्रतीक है, जिन्होंने 17 साल तक उम्मीद नहीं छोड़ी। यह जीत करोड़ों फैंस के विश्वास की भी है, जो हर हार के बाद भी 'ई साला कप नम्मदे' कहते रहे। अब यह सपना हकीकत बन चुका है, कप अब सचमुच 'नम्मदु' है।अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मंगलवार रात जब पंजाब किंग्स को छह रनों से हराकर आरसीबी ने ट्रॉफी उठाई, तो मैदान पर सिर्फ पटाखे नहीं फूटे, बल्कि क्रिकेट इतिहास का एक अधूरा अध्याय भी पूरा हो गया।। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी की और 190/9 बनाए, जिसे पंजाब किंग्स 6 रनों से चूक गई।

आरसीबी की पारी शुरुआत में औसत से कम प्रतीत हो रही थी। लेकिन फिर जो हुआ, उसने आरसीबी की पहचान को नर्वस फिनिशर से बदलकर चैंपियन बना दिया। गेंदबाजों ने पंजाब को आखिरी ओवर तक बांधकर रखा और मैच आरसीबी की मुट्ठी में आ गया। दोनों ही टीमों को पहली आइपीएल ट्रॉफी का इंतजार था और किस्मत ने आरसीबी का साथ दिया।यह जीत केवल एक टीम की नहीं, बल्कि उन सभी प्रशंसकों की थी जो मैच से पहले कह रहे थे, ई साला कप नम्मदे (इस साल कप हमारा होगा)। और आखिरकार, यह साल वाकई उनका हो गया। इस बार कप नम्मदे नहीं, कप नम्मदु है (कप अब वास्तव में हमारा है)। 2011 में कोहली आरसीबी के कप्तान बने मगर इस दौरान कम बार नाकामियों के बावजूद विराट और आरसीबी का एक-दूसरे पर भरोसा बना रहा। आरसीबी के प्रशंसकों का भरोसा भी विराट पर बना रहा।18 नंबर की जर्सी वाले विराट कोहली के साथ 17 साल बाद आरसीबी का भाग्य भी चमका। यह केवल एक मैच नहीं था, यह भावनाओं, उम्मीदों और अटूट विश्वास की जीत थी। कोहली ने पहले ही टी20 वर्ल्ड कप, वनडे वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीत कर अपना नाम इतिहास में दर्ज करवा लिया था, लेकिन एक अधूरी जगह हमेशा से थी और वह थी आइपीएल ट्रॉफी।

कोहली और आरसीबी साथ-साथ पले-बढ़े 2008 में आइपीएल की शुरुआत के साथ ही कोहली और आरसीबी का सफर शुरू हुआ। तब से लेकर आज तक कोहली कभी टीम से अलग नहीं हुए। कप्तान के तौर पर उतार-चढ़ाव, हार की टीस और सोशल मीडिया पर ट्रोल्स, इन सबसे गुजरते हुए उन्होंने एक खिलाड़ी नहीं, एक प्रतीक की तरह इस टीम का प्रतिनिधित्व किया।

चौथी बार में मिली जीत-आरसीबी इससे पहले तीन बार भी ट्रॉफी के बिल्कुल करीब पहुंच कर जीत से दूर रह गई थी। आरसीबी तीन बार उपविजेता रही। आइपीएल के दूसरे साल यानी 2009 में आरसीबी फाइनल में पहुंच गई थी मगर डेक्कन चार्जर्स से हारने के कारण उसे उप विजेता से ही संतोष करना पड़ा था। इसके बाद 2011 में दूसरी बार आरसीबी फाइनल तक पहुंची मगर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से 58 रनों से हार का सामना करना ।

बिल्हौर में गंगा नहाते समय तीन की मौत

» एक दूसरे को बचाने के चक्कर में चली गई सभी की जान

सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख जाहिर किया

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा हुआ। गंगा नदी में स्नान के दौरान एक बच्ची व दो युवक डूब गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर तीनों को बाहर निकला और बिल्हौर सीएचसी लेकर पहुँचे। जहां डॉक्टरों की टीम ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। और गांव में मातम छा गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख जाहिर किया।

दरअसल यह दर्दनाक घटना बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के कल्लू पुरवा गांव मे गुरुवार सुबह हुई। कल्लूपुरवा निवासी सर्वेश के यहाँ रिश्तेदारी में आए बलराम पुत्र चंदा 22 वर्ष ग्राम औनगी थाना शिवली एवं संदीप पुत्र रामविलास 20 वर्ष निवासी समुवा थाना विधनु गुरुवार सुबह गंगा नहाने गए थे। दोनों के साथ में सर्वेश की 14 साल की पुत्री प्रियंका भी गई थी। जानकारी के मुताबिक तीनों गंगा नदी में स्नान कर रहे थे। तभी प्रियंका नदी की गहराई की तरफ चली गई। गहराई की तरफ जाते ही प्रियंका पानी में डूबने लगी। उसे बचाने के लिए बलराम और संदीप गहराई की तरफ गए। इससे प्रियंका के साथ बलराम और संदीप भी डूब गए। उधर घटना की जानकारी पाते ही बिल्हौर एसीपी अमरनाथ यादव,एसडीएम रश्मि लाम्बा और कोतवाल अशोक सरोज पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू कर तीनों को बाहर निकाला और बिल्हौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुँचे। जहाँ डॉक्टरों की टीम ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस घटना की जाँच कर रही है। वहीं, इस घटना से आसपास के गांवों में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

परिजनों के आंसू देख एसीपी और एसडीएम हो गए भावुक

बिल्हौर सीएचसी में परिजन अपने मृतक बच्चों से लिपट कर फूट फूट कर रो रहे थे। इस दौरान एसीपी अमरनाथ व एसडीएम रश्मि लाम्बा खुद परिजनों को देखकर भावुक हो गए।

बसपा की मंडलीय समीक्षा बैठक संपन्न

» दूसरे दलों को छोड़कर सैकड़ो लोगों ने थामा बसपा का दामन

बूथ एवं सेक्टर को मजबूत करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। बुधवार को कानपुर परेड चौराहा स्थित पार्टी कार्यालय में बहुजन समाज पार्टी की मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचे मुख्य मंडल प्रभारी व कानपुर मंडल प्रभारी सूरज सिंह जाटव ने की।

मुख्य मंडल प्रभारी सूरज सिंह जाटव ने कहा कि बसपा संगठन को मजबूत करने मे जुटी है। उन्होंने बूथ और सेक्टर की प्रभावी तैयारी और समीक्षा पर जोर दिया। साथ ही 50 प्रतिशत युवाओं को भागीदारी देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कानपुर मंडल प्रभारी अनिल पाल ने कहा कि बीएसपी इस बार फिर से वापसी कर रही है। कहा संगठन की मजबूती से ही बहन जी के संकल्प साकार होंगे। बैठक में आजाद समाज पार्टी, भीम आर्मी व अन्य पार्टियों से आए सैकड़ो लोगों ने बीएसपी का दामन थामा।

बसपा के बिल्हौर विधानसभा के पूर्व प्रभारी विनय कुमार गौतम ने बताया कि कानपुर के युवा जिला अध्यक्ष कुलदीप कुमार गौतम के नेतृत्व में दिन पर दिन युवाओं का एक बड़ा संगठन पार्टी से जुड़ता जा रहा है।

बैठक में मंडल प्रभारी जीतेन्द्र, मुकेश कठेरिया, जिलाध्यक्ष कुलदीप कुमार गौतम,जिला प्रभारी शैलेन्द्र,जिला उपाध्यक्ष आमीन, हरिकृष्णा समेत कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वंदे भारत एक्सप्रेस अब मिलेगी प्लेटफार्म तीन पर

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। यात्री कृपा ध्यान दे गाड़ी संख्या 20175 सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर गाड़ी संख्या 20175 बनारस-आगरा कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस के प्लेटफ़ॉर्म में परिवर्तन किया जा रहा है । दिनांक 07.06.2025 से यह गाड़ी प्लेटफ़ॉर्म संख्या -1 के स्थान पर प्लेटफ़ॉर्म संख्या -3 पर आयेगी । गाड़ी संख्या 20175 बनारस-आगरा कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस का कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान का समय 18-47/18-52 बजे है । यात्रियों से अनुरोध है कि उक्त प्लेटफ़ॉर्म परिवर्तन को ध्यान में रखकर कानपुर सेंट्रल स्टेशन से अपनी यात्रा आरंभ करें ।

प्रधान पति के दबंग भाइयों ने की मारपीट, मुकदमा दर्ज

» पंचायत चुनाव नजदीक आते ही गांव में राजनीति शुरू हो चुकी है

» छोटी-छोटी बातों को लेकर झगड़ा फसाद हो रहे हैं

» गजनेर पुलिस आरोपियों पर कर रही कड़ी कार्रवाई

स्वराज इंडिया संवाददाता

माती। थाना गजनेर की ग्राम सभा कोरारी के निवासी गुलाब सिंह सुबह लगभग 7-00 बजे ग्राम हिम्मापुरवा की दूध डेयरी में दूध बेचकर वापस अपने ग्राम कोरारी आ रहे थे तभी रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे कोरारी प्रधान पति विजय सिंह महाभारती के भाई अरुण सिंह व अवतार सिंह ने गुलाब सिंह को रोककर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया हमले में गुलाब सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए गंभीर हालत में परिजन गुलाब सिंह को थाना गजनेर ले गए जहां पर थाना पुलिस एवं इंस्पेक्टर गजनेर प्रवीण सिंह यादव द्वारा तत्परता दिखाते हुए अभियुक्तों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा अपराध संख्या 147 सन 2025 थाना गजनेर सुसंगत धाराओं में दर्ज कर लिया गया है ,एवं इंस्पेक्टर गजनेर

प्रवीण सिंह यादव द्वारा बताया गया सूचना मिली थी प्राप्त सूचना के आधार पर कड़ी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है घायल गुलाब सिंह को उपचार हेतु सीएचसी अस्पताल गजनेर भेजा गया है अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस प्रयासरत है।

अभियुक्तों पर और भी कई दर्ज है आपराधिक मुकदमे

अभियुक्त गण अरुण सिंह एवं अवतार सिंह के ऊपर एवं उनके पिता रामेंद्र सिंह भाई बंटी सिंह एवं अन्य सहयोगी राजा सिंह के खिलाफ पूर्व में भी थाना गजनेर में मुकदमा अपराध संख्या 125 सन 2021 जो कि घर में घुसकर एक राय होकर मारपीट करना एवं जान से मारने की धमकी देने संबंध में मुकदमा

थाना गजनेर में दर्ज है एवं एक अन्य मुकदमा 89 सन 2025 अभियुक्त गढ़ के भाई अभय सिंह पुत्र रामेंद्र सिंह एवं उनके अन्य सहयोगीयो के नाम से गंभीर धाराओं में थाना गजनेर में मुकदमा दर्ज है

घायल का एकलौता पुत्र वायु सेना में अधिकारी

घायल गुलाब सिंह घर में खेती बाड़ी एवं भैंस आदि बांधे हुए हैं जिनका काम करके अपना जीवको पार्जन करते हैं वही एकलौता पुत्र असमेंद्र प्रताप सिंह भारतीय वायु सेवा में फ्लाइंग ऑफिसर के पद पर रहकर देश की सेवा कर रहा है वही गांव के कुछ राजनीतिज्ञ एवं अपराधिक प्रवृति के लोगो द्वारा उसके पिता के ऊपर प्राण घातक हमला जान से मारने की नीयत से कर दिया गया, जिससे गुलाब सिंह का पुत्र एयर ऑफिसर आसमेंद्र प्रताप सिंह बहुत ही आहत हैं।

गोशाला या यातनागृह? पलिया बांसखेड़ा में तड़पता गोवंश

» गर्म हवाएं, भूसा और बदइंतजामी—गौशाला में टूट रही दम तोड़ती इंसानियत
डीएम-सीडीओ के निर्देश बेअसर, एक गोवंश की मौत,
» बाकी बेहाल

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। रसूलाबाद ब्लॉक की पलिया बांसखेड़ा ग्राम पंचायत की गौशाला में एक बार फिर मानवता को शर्मसार करने वाली तस्वीरें सामने आई हैं। डीएम आलोक सिंह और सीडीओ लक्ष्मी एन ने गोशालाओं की हालत सुधारने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए थे—छाया, स्वच्छ पानी और हरे चारे की व्यवस्था सुनिश्चित करने की लेकिन ज़मीनी हालात इसके उलट हैं। कैमरे में कैद तस्वीरों में सूखा भूसा चबाते, तेज धूप में तड़पते और मृत अवस्था में पड़े गोवंश दिखाई दे रहे हैं। बीते दिनों एक गोवंश की मौत हो चुकी है, वहीं बाकी जानवर भी दम तोड़ने की कगार पर हैं। हालात इतने बदतर हैं कि मृत गायों को दफनाने की बजाय छोड़ दिया जाता है, जिन्हें आवारा कुत्ते नोंचते पाए गए।

प्रशासन मूकदर्शक, पंचायत मनमानी पर उतरी

वर्तमान में खंड विकास अधिकारी का गैर-जनपद स्थानांतरण हो चुका है, जिससे पंचायत सचिव और प्रधान बिना किसी जवाबदेही के मनमानी पर उतर आए हैं। तेज आंधी में गौशाला की टिनशेड उड़ गई है, जिससे अब गोवंश खुले आसमान के नीचे जलती धूप में रहने को मजबूर हैं। गंदगी का आलम यह है कि गोशाला की फर्श पर गंदा पानी और मल जमा है, पीने का पानी तक नसीब नहीं। पंचायत अधिकारी कागजों में गौशाला की स्थिति बेहतर दिखा रहे हैं, जबकि धरातल पर यह गौशालाएं यातनागृह बन चुकी हैं। एडीओ पंचायत जेपी शुक्ला ने एक गोवंश की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि सचिव सौरभ तिवारी को निर्देश दिए गए हैं और जल्द ही मरम्मत कार्य शुरू किया जाएगा। डीपीआरओ विकास पटेल से संपर्क नहीं हो सका।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

स्वराज इंडिया की रिपोर्ट के बाद हरकत में आया हाईवे प्राधिकरण

देवीपुर ओवरब्रिज सर्विस रोड से हटाया गया कूड़ा, ग्रामीणों को दी गई सख्त चेतावनी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। दैनिक स्वराज इंडिया द्वारा प्रकाशित खबर के असर का एक और उदाहरण सामने आया है। कानपुर-झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित देवीपुर गांव के पास ओवरब्रिज की सर्विस रोड से अतिक्रमण और गंदगी हटाई गई है। कभी सुगम आवागमन के लिए बनी यह सड़कें कूड़े, गोबर और टेंपो स्टैंड के अतिक्रमण की शिकार हो चुकी थीं। पूरब दिशा की सर्विस रोड पर टेंपो चालकों ने कब्जा कर लिया था, वहीं पश्चिम दिशा पर ग्रामीणों ने जानवर बांधने, लकड़ी और गोबर रखने का अड्डा बना दिया था, जिससे आवागमन बेहद कठिन हो गया था।

स्थानीय लोगों का कहना था कि प्रशासन और पुलिस चौकी की मौजूदगी के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही थी।

इसी मुद्दे को स्वराज इंडिया ने प्रमुखता से उजागर किया। खबर का संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक तरवीण शेखावत ने तत्काल जेसीबी मशीनों की मदद से कूड़ा हटवाया। साथ ही, ग्रामीणों को दोबारा ऐसा करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इस कदम से राहगीरों को बड़ी राहत मिली है और प्रशासन की सक्रियता की उम्मीद फिर जगी है।

ठूंठ बन चुके हैंडपंप, ग्रामीणों की प्यास से बेखबर सचिव

» रसूलाबाद के अकौड़िया गांव में महीनों से बंद पड़े हैंडपंप,

»बूंद-बूंद पानी को तरस रहे लोग, जिम्मेदार लापता

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। चिलचिलाती गर्मी और उमस में जब गांवों में पानी जीवनरेखा बन चुका है, वहीं रसूलाबाद विकासखंड के ग्राम पंचायत सुनासी के मजरा अकौड़िया में हालात बदतर हैं। यहां के दो सरकारी हैंडपंप बीते छह महीने से खराब पड़े हैं, लेकिन ग्राम प्रधान रघुनंदन सिंह कुशवाहा और पंचायत सचिव अभय यादव ने अब तक कोई सुध नहीं ली है। ग्रामीण उजियारे लाल, रामदास, विश्वनाथ, संदीप, मनोज और रामबाबू ने बताया कि हैंडपंप कभी गांव की प्यास बुझाने का जरिया हुआ करते थे, अब ये लोहे के ठूंठ बन चुके हैं।

हर घर जल योजना के तहत लगाए गए कनेक्शन भी महज दिखावा बनकर रह गए हैं—टोटी से तीन दिन में मुश्किल से एक दिन पानी आता है। लोग इधर-उधर भटककर पीने का पानी जुटा रहे हैं। अकौड़िया गांव में गंदगी का अंबार है और जनप्रतिनिधि ग्राम विकास के नाम पर आंखें मूंदे बैठे हैं। ग्रामीणों ने सीडीओ लक्ष्मी एन से गुहार लगाई है कि हालात में सुधार कराया जाए। लेकिन सवाल यही है—क्या जिम्मेदारों की नींद टूटेगी या गांव यूं ही प्यासा तड़पता रहेगा?

गंगा दशहरा पर दुर्वासा घाट पर स्वच्छता और जागरूकता की मिसाल

» डीएम-एसपी ने घाट पर की जागरूकता गोष्ठी, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

» अधिकारियों ने किया वृक्षारोपण, घाट पर साफ-सफाई कर दी प्रेरणा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह व पुलिस अधीक्षक अरविन्द मिश्र ने गंगा दशहरा स्नान और विश्व पर्यावरण दिवस को सार्थक बनाते हुए थाना बरौर क्षेत्रान्तर्गत दुर्वासा आश्रम स्थित सेंगर नदी घाट पर विशेष जागरूकता गोष्ठी आयोजित की। इस अवसर पर नदियों के संरक्षण, स्वच्छता और पुनरुद्धार को लेकर स्थानीय ग्रामीणों व अधिकारियों को जागरूक किया गया। घाट की पवित्रता बनाए रखने हेतु उपस्थित सभी ने स्वच्छता और जल संरक्षण की शपथ ली।

वृक्षारोपण और निरीक्षण से दिया स्वच्छता का संदेश

गोष्ठी के बाद घाट परिसर में वृक्षारोपण कर एक वृहत स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों व स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

घाट की सफाई हेतु सभी ने श्रमदान किया। इस दौरान ड्यूटी पर लगे अधिकारियों और कर्मचारियों का निरीक्षण कर उन्हें जिम्मेदारी से कार्य करने के दिशा-निर्देश भी दिए गए। मौके पर उपजिलाधिकारी जितेंद्र कटियार, जिला पंचायत राज अधिकारी विकास पटेल, प्रभागीय वनाधिकारी ए.के. द्विवेदी, बीडीओ मलासा संजू सिंह, बरौर थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। इस पहल ने न केवल घाट को स्वच्छ किया, बल्कि पर्यावरण जागरूकता का भी मजबूत संदेश दिया।

प्रशासन की लापरवाही से तड़प-तड़प कर मर गई नीलगाय

तीन घंटे इंतजार करती रही बेजुबान, समय से न पहुंची वन विभाग की टीम

प्यास बुझाने आई थी नीलगाय, कुत्तों के हमले और करंट से हुई घायल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात(मांती)। गजनेर थाना क्षेत्र में मानव संवेदनहीनता और प्रशासन की लापरवाही की एक दर्दनाक घटना सामने आई है। प्यास बुझाने के लिए गांव के समीप आम के बाग में पहुंची एक नीलगाय कुत्तों के झुंड द्वारा दौड़ाए जाने के बाद खेत में लगे तार की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर मौजूद किसान शिवराज सिंह ने तत्काल 112 नंबर, वन विभाग और स्थानीय प्रशासन को सूचना दी, लेकिन दुर्भाग्यवश तीन घंटे तक कोई भी विभाग मौके पर नहीं पहुंचा। इस दौरान घायल नीलगाय दर्द से तड़पती रही और अंततः दम तोड़ दिया।

वन विभाग की देरी बनी जानलेवा, पोस्टमार्टम के बाद आश्वासनग्रामीणों का आरोप है कि माती मुख्यालय से मात्र 14 किलोमीटर की दूरी पर होने के बावजूद वन विभाग की टीम बेहद देर से मौके पर पहुंची। शिवराज सिंह चौहान, गजनेर रामलीला समिति अध्यक्ष ने बताया कि उन्होंने हर स्तर पर सूचित किया, लेकिन कोई राहत समय पर नहीं मिली। घटनास्थल पर जब वन विभाग की सुलेखा चौधरी व शशि तोमर की टीम पहुंची, तब तक नीलगाय दम तोड़ चुकी थी। वन विभाग ने मृत नीलगाय का शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और जांच की बात कही।

वहीं वन विभाग की अधिकारी शशि तोमर का दावा है कि उन्हें सूचना मात्र 35 मिनट पहले ही मिली थी, लेकिन स्थानीय लोग इस बयान को झूठा और भ्रामक बता रहे हैं। घटना ने सवाल खड़े कर दिए हैं कि जब इतनी निकटता में होने पर भी समय से मदद नहीं पहुंची, तो दूर-दराज के इलाकों में बेजुबानों की जान की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी?

सीएम योगी के जन्मदिन पर ये कैसी बधाई...कमरिया लचकाए... अयोध्या शर्माए!

» सीएम के जन्मदिन पर 'रीलभक्ति' का नया दौर, रामनगरी बनी वायरल नगरी

»भाजयुमो के मंडलीय मीडिया प्रभारी की डिजिटल भक्ति

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। कमरिया से पातर बा बलमा हमार... राम मंदिर के साए में जब यह गाना लता चौक पर बजा और कैमरों के सामने लड़कियां थिरकती दिखीं, तो अयोध्या एक पल के लिए चौंक गई और अगले ही पल शर्म से झुक गई।

गुरुवार को राम मंदिर परिसर में राजाराम दरबार मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं मुख्य यजमान हैं। इत्तेफाकन आज उनका जन्मदिन भी है। लेकिन इस धार्मिक अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के मंडलीय मीडिया प्रभारी ने जो डिजिटल भक्ति दिखाई, उसने सारी मर्यादा तोड़ दी।

रील से रीलवाले, राम से दूर

लता चौक पर बाकायदा सेटअप लगाकर बनवाई गई सोशल मीडिया रील में बैकग्राउंड म्यूजिक है- "कमरिया से पातर बा...

रील पोस्ट करते हुए कैप्शन था — हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर रील के माध्यम से सादर स्वागत। जय श्रीराम ।लेकिन जनता पूछ रही है कि

-ये स्वागत है या सस्ता प्रचार?

-रीलभक्ति है या रीति-भक्ति का अपमान? जनता ने कहा ये राम की नहीं, रीलों की अयोध्या बनती जा रही है!

स्थानीय लोगों और संत समाज ने तीखी प्रतिक्रिया दी

पं. रामशरण दास (स्थानीय संत):

राम की धरती पर नाच-गानों की रीलें? ये धर्म नहीं, ढोंग है। सुनीता मिश्रा (शिक्षिका) ऐसा लगता है जैसे अब श्रद्धा दिखाने के लिए इंस्टा फिल्टर चाहिए। आनंद रंजन (युवा सामाजिक कार्यकर्ता) अगर यही युवा मोर्चा है, तो कल को मंदिर के सामने डांस चैलेंज भी करवाएंगे?

प्रशासन मौन, पार्टी असहज

पूरे विवाद पर जिला प्रशासन और भाजपा संगठन दोनों ही खामोश हैं। लेकिन पार्टी सूत्रों का कहना है कि यह व्यक्तिगत उत्साह का मामला है, पार्टी की आधिकारिक गतिविधि नहीं।

सवाल यह है कि तो क्या कोई भी व्यक्तिगत उत्साह अब धार्मिक स्थलों को मनोरंजन मंच बना देगा।

जैसे ही यह रील वायरल हुई, सोशल मीडिया पर तीखे कमेंट्स शुरू हो गए

जय श्रीराम नहीं, अब जय इंस्टाराम!

यसस्वी सीएम योगी के नाम पर शर्मनाक प्रचार

राममंदिर नहीं, अब रील मंदिर!

अक्ल तो आई लेकिन भद पिटवा कर

आखिरकार भाजपाई प्रशांत गुप्ता ने मुख्यमंत्री जी के जन्म दिन पर बधाई देने के लिए चार रीलों वाली लगाई अपनी आपत्तिजनक फेसबुक पोस्ट को डिलीट कर दिया है।

स्वराज इंडिया की राय

राजनीति में सोशल मीडिया जरूरी हो सकता है, पर रामभक्ति में 'फिल्टर' नहीं 'श्रद्धा' होनी चाहिए।

अयोध्या महापौर के साथ प्रशांत गुप्ता

अयोध्या की पहचान किसी वायरल रील से नहीं, उसकी वैदिक गूंज और मर्यादा से बनी है। उसे 'कमरिया कल्चर' के हवाले न करें।

सड़क ने निगल लिए अयोध्या के तीन लाल

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या ।बुधवार की सुबह अयोध्या के चार दोस्त एक साथ कार में बैठे। किसी ने हँसते हुए चाय ली होगी, किसी ने घर पर कह दिया होगा - शाम तक लौटेंगे। मगर किसे पता था, कि ये सफर उनकी ज़िंदगी का आखिरी सफर बन जाएगा ।नानपारा टोल प्लाज़ा के पास एक तेज रफ्तार बस से उनकी कार की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। मौके पर मौजूद लोगों ने जब दरवाजे खोले, तब तक बहुत देर हो चुकी थी ।रामकुमार यादव (पठान टोला) को बहराइच से लखनऊ रेफर किया गया है। उनकी हालत गंभीर है और जीवन की डोर आईसीयू में सांसों के सहारे टिकी है।

'पापा, शाम को आऊंगा...' और फिर ख़ामोशी

विवेक की पत्नी बार-बार मोबाइल स्क्रीन देख रही थीं। आख़िरी कॉल पर विवेक ने कहा था - पापा को बोल देना घबराए नहीं, मैं जल्दी लौट आऊंगा। अब वही मोबाइल बगल में रखा है और विवेक तावीज़ की तरह सफेद चादर में लिपटा है ।हादसे के वक्त बस में कोई यात्री घायल नहीं हुआ, लेकिन अब तक साफ नहीं है कि ड्राइवर किसकी गलती से टक्कर हुई। पुलिस का कहना है जांच जारी है, लेकिन सवाल वही पुराना है क्या ये हादसा टल सकता था? क्या रफ्तार पर कोई कंट्रोल नहीं? क्या हर मौत के बाद बस एक एफआईआर ही काफ़ी है?

जिनकी सांसें थम गईं

1. विवेक तिवारी - उम्र 32 साल। वैदेही नगर कॉलोनी के रहने वाले। घर में इकलौते कमाने वाले थे। पीछे बुजुर्ग पिता दो छोटे बच्चे और बेसुध पत्नी को छोड़ गए।2. अभय पांडे - मोहल्ला वैदेही नगर। माता-पिता वृद्ध हैं, बेटा अब कभी लौटकर नहीं आएगा।3. विनोद श्रीवास्तव - पक्की इयोढ़ी, अयोध्या। जिनकी मुस्कान मोहल्ले में सबको भाती थी, आज सबकी आंखों में आंसू हैं।

आरसीबी जीत का जश्न मातम में तब्दील

» बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ से 11 की मौत, 33 से अधिक घायल

» आईपीएल जीत के जश्न में भारी भीड़ से मची भगदड़

» घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है, राज्य सरकार की लापरवाही का आरोप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बेंगलुरु/नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में अपनी पहली जीत का जश्न मना रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (ऋष्टक्ष) की खुशियां मंगलवार को मातम में बदल गईं। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर आयोजित विजय समारोह के दौरान भीड़ के बेकाबू हो जाने से भगदड़ मच गई, जिसमें 11 लोगों की जान चली गई और 33 से अधिक घायल हो गए। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जब स्टेडियम में ऋष्टक्ष टीम के सम्मान समारोह की शुरुआत होने वाली थी, तभी हजारों की संख्या में लोग एक साथ प्रवेश की कोशिश करने लगे। आयोजकों और पुलिस के पास भीड़ को नियंत्रित करने की कोई ठोस व्यवस्था नहीं थी, जिससे हालात बेकाबू हो गए। कई लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े, कई बेहोश हो गए। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

भीड़ को लेकर कोई पूर्व योजना नहीं थी?

विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (KSC) द्वारा किया गया था, लेकिन अनुमानित भीड़ से कहीं अधिक—करीब 2-3 लाख लोग—स्टेडियम और आसपास के क्षेत्रों में उमड़ पड़े। पुलिस ने पहले ही ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की थी कि केवल पास या टिकट धारकों को ही एंट्री मिलेगी, लेकिन मैदान के बाहर व्यवस्थाएं नाकाफी रहीं।

सरकार के इंतजाम पर उठे सवाल !

घटना के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी, और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सहित कई नेताओं ने शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। वहीं विपक्ष ने राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए इसे राज्य प्रायोजित हत्या करार दिया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि सरकार ने बिना योजना के विजय रैली आयोजित की, जिसकी वजह से यह त्रासदी घटी।

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी प्रशासनिक विफलता को घातक लापरवाही बताया और इस्तीफे की मांग की।विधान परिषद सदस्य बीके हरिप्रसाद ने सरकार से घायलों को तत्काल उपचार दिलवाने और मृतकों के परिजनों को सहायता राशि देने की अपील की।

राज्य सरकार की सफाई सुनिए....

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अस्पतालों का दौरा कर घायलों से मुलाकात की और मृतकों के परिजनों के लिए 10 लाख रुपये की सहायता राशि का ऐलान किया। उन्होंने कहा, यह भीड़ हमारी उम्मीद से कई गुना ज्यादा थी, कोई भी ऐसी भारी संख्या की कल्पना नहीं कर सका था।उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, यह युवा और उत्साही भीड़ थी, ऐसे में बल प्रयोग उचित नहीं होता। हमने 10 मिनट में कार्यक्रम समाप्त कर दिया और हालात को सामान्य करने की कोशिश की।फ्रयह त्रासदी एक बार फिर साबित करती है कि जश्न की भीड़ अगर नियंत्रित नहीं की जाए, तो वह जानलेवा साबित हो सकती है। आयोजकों और प्रशासन की संयुक्त जिम्मेदारी बनती है कि इस तरह के बड़े आयोजनों के लिए विस्तृत सुरक्षा योजना बनाई जाए।